# सोलर लाइटों से रोशन हुए आशियाने

## खारिया राठौड़ान और चवा में जनजाति वर्ग के 140 घरों को सोलर लाइटें प्रदान की गई

**नवज्योति/बाड़मेर।**

ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान एवं चिराग रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन मुम्बई द्वारा प्रोजेक्ट चिराग के तहत बाड़मेर जिले के ग्रामीण इलाकों में सोलर लाइट वितरण का कार्य किया गया। प्रोजेक्ट चिराग के तहत बिजली से वंचित गांवों में सोलर लाइट वितरण करने का कार्य किया जाता है। इससे भारत के 9 राज्यों के 450 गांवों को लाभान्वित किया गया है। बिजली के अभाव में, ये ग्रामीण मिट्टी के तेल का उपयोग करते हैं, जो न केवल खराब गुणवत्ता का प्रकाश देता है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान की अध्यक्ष रुमा देवी ने बताया की संस्थान द्वारा पूर्व में किए गए सर्वे के आधार पर बाड़मेर जिले के खारिया राठोडान और चवा में जनजाति वर्ग के 140 घरों को सोलर लाइट प्रदान की गई। इन गांवों में रहने वाली आबादी, पशुपालन, खेती

और क्राफ्ट कार्य करती है। उन्हें अपने काम में मदद करने के लिए रोशनी की सख्त जरूरत थी। प्रत्येक परिवार को एक घर के अंदर प्रयोग होने वाली लाइट, एक घर के बाहर प्रयोग होने वाली लाइट, सौर पैनल, बैटरी, मोबाइल चार्जिंग डिवाइस और एक पोर्टेबल लालटेन प्राप्त प्रदान की गई। चिराग फाउंडेशन के प्रतिभा पाई ने बताया कि सोलर लाइटिंग सिस्टम प्राप्त करने वालों में से अधिकांश क्राफ्ट कार्य करने वाली महिलाए हैं, वे अब रात्रि में भी इस लाइट के प्रयोग से क्राफ्ट कार्य करने में सक्षम होगी। प्रकाश के स्वच्छ और स्थायी स्त्रोत के कारण, उनके बच्चे रात्रि में बेहतर अध्ययन कर पाएंगे और आग लगने का खतरा नहीं रहेगा। रात्रि में धोरों में पैदल आवागमन के समय सर्पदंश जैसी घटनाएं भी नहीं होगी।